an>

Title: Need to promote research to invent medicine for Japani Encephalitis and Acute Encephalitis Syndrome.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका अत्यंत आभारी हूं कि आपने एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर मुझे अनुज्ञा दी है। मैं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक रिपोर्ट पर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। जापानी एंसाफलाइटिस एंड एक्यूट एंसाफलाइटिस सिंड्रोम की चिन्ता हम समय-समय पर करते रहे हैं। इस एक सत्र में गोरखपुर मेडिकल कॉलेज की छत के नीचे 475 बच्चों की पिछले कुछ माह में मृत्यु हो चुकी है। आज भी दुर्भाग्य से एक्यूट एंसाफलाइटिस सिंड्रोम का कोई ट्रीटमैंट नहीं बन सका। इसका अभी तक कोई इलाज नहीं हो सका। इस पर राष्ट्रीय मानवाधिकार ने भी चिन्ता व्यक्त की है। यह केवल पूर्वी उत्तर प्रदेश में 30-35 वर्ष पहले शुरू हुई। आज उत्तर प्रदेश, बिहार, वैस्ट बंगाल, ओड़िसा, आसाम आदि देश के 14 राज्यों में मस्तिष्क ज्वर पांव पसार चुका है। यह दुर्भाग्य से बच्चों को होता है। अगर किसी बच्चे की जिंदगी बच भी जाए तो वह विकलांग हो जाता है। अगर गरीब परिवार में कोई बच्चा इस बीमारी से ग्रसित हो और मौत के मुंह से निकल आए तो भी वह जिंदगी भर के लिए लाचार हो जाता है, उस परिवार के लिए अभिशाप बन जाता है। एक तरफ गरीबी और दूसरी तरफ बीमार बच्चे का बोझ उठाने में उसके परिवार को दिक्कत होती है। मैं आज आपके माध्यम से मांग करता हूं कि इस जापानी एंसाफलाइटिस मर्ज के लिए कोई शोध किया जाए। इसके ट्रीटमैंट के लिए कोई दवा इजात की जाए जिससे बच्चों की जिंदगी बच सके। तब तक ड्रिंकिंग वाटर, सैनिटेशन, सफाई आदि की व्यवस्था की जाए। धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra,

Shri Sharad Tripathy and

Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Jagdambika Pal.